Self Respect

30-07-2014

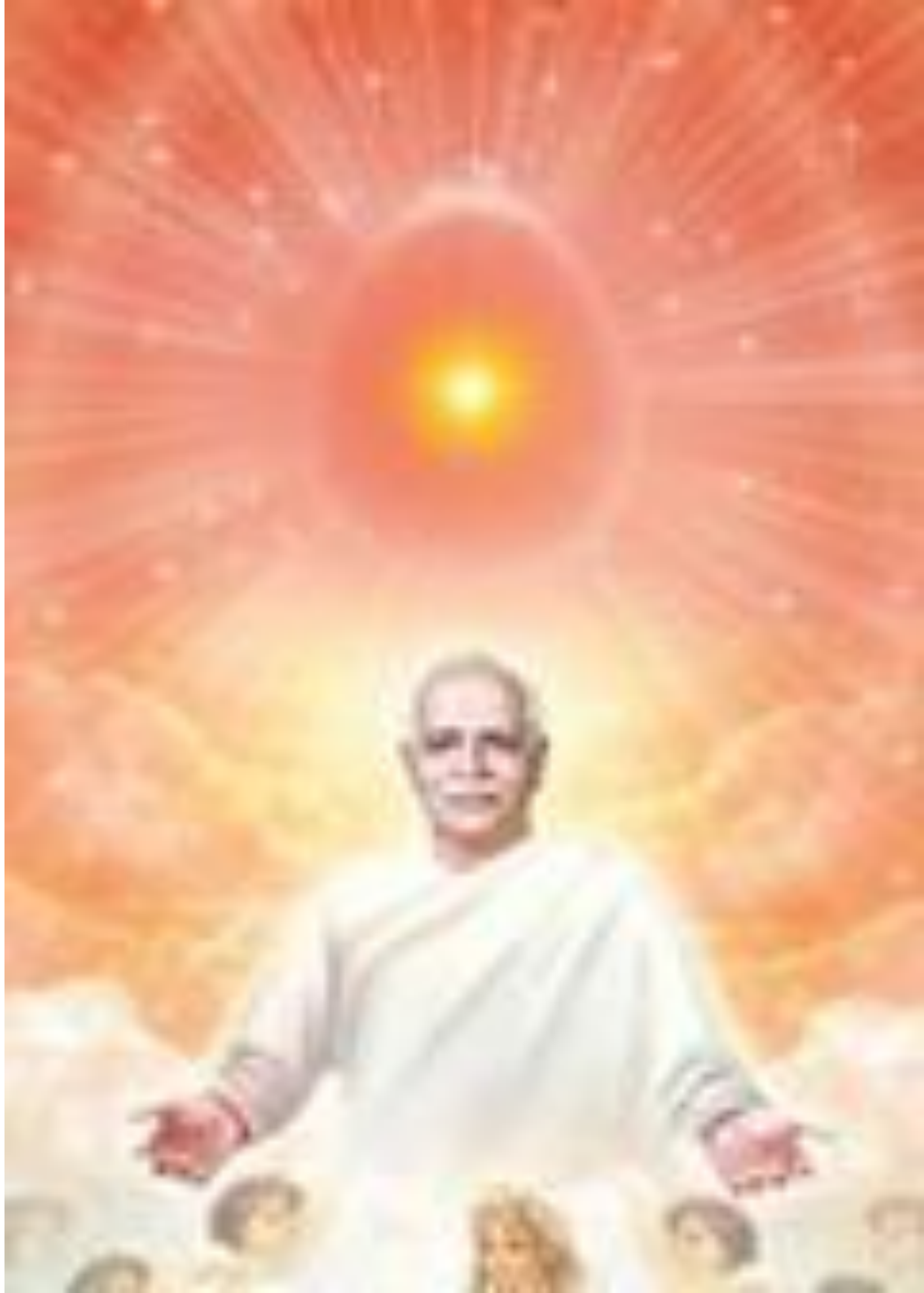

- बाप तुम बच्चों से पूछते हैं, तुमको कितने अथाह पैसे दिये । तुमको स्वर्ग का मालिक बनाया फिर वह सब कहाँ गया? इतने कंगाल कैसे बने? अभी मैं फिर आया हूँ, तुम कितने पदमापदम् भाग्यवान बन रहे हो । मनुष्य तो इन बातों को कोई भी नहीं जानते । तुम जानते हो अभी इस पुरानी दुनिया में यहाँ रहना नहीं है । यह तो खलास हो जानी है । मनुष्यों के पास जो ढेर पैसे हैं वह किसी के हाथ आने नहीं हैं । विनाश होगा तो सब खलास हो जायेंगे । कितने माइल में बड़े-बड़े मकान आदि बने हुए हैं । ढेर की ढेर मिलकियत है, सब खत्म हो जायेगी क्योंकि तुम जानते हो जब हमारा राज्य था तो और कोई थे ही नहीं । वहाँ अथाह धन था । तुम आगे चल देखते रहेंगे क्या-क्या होता है ।

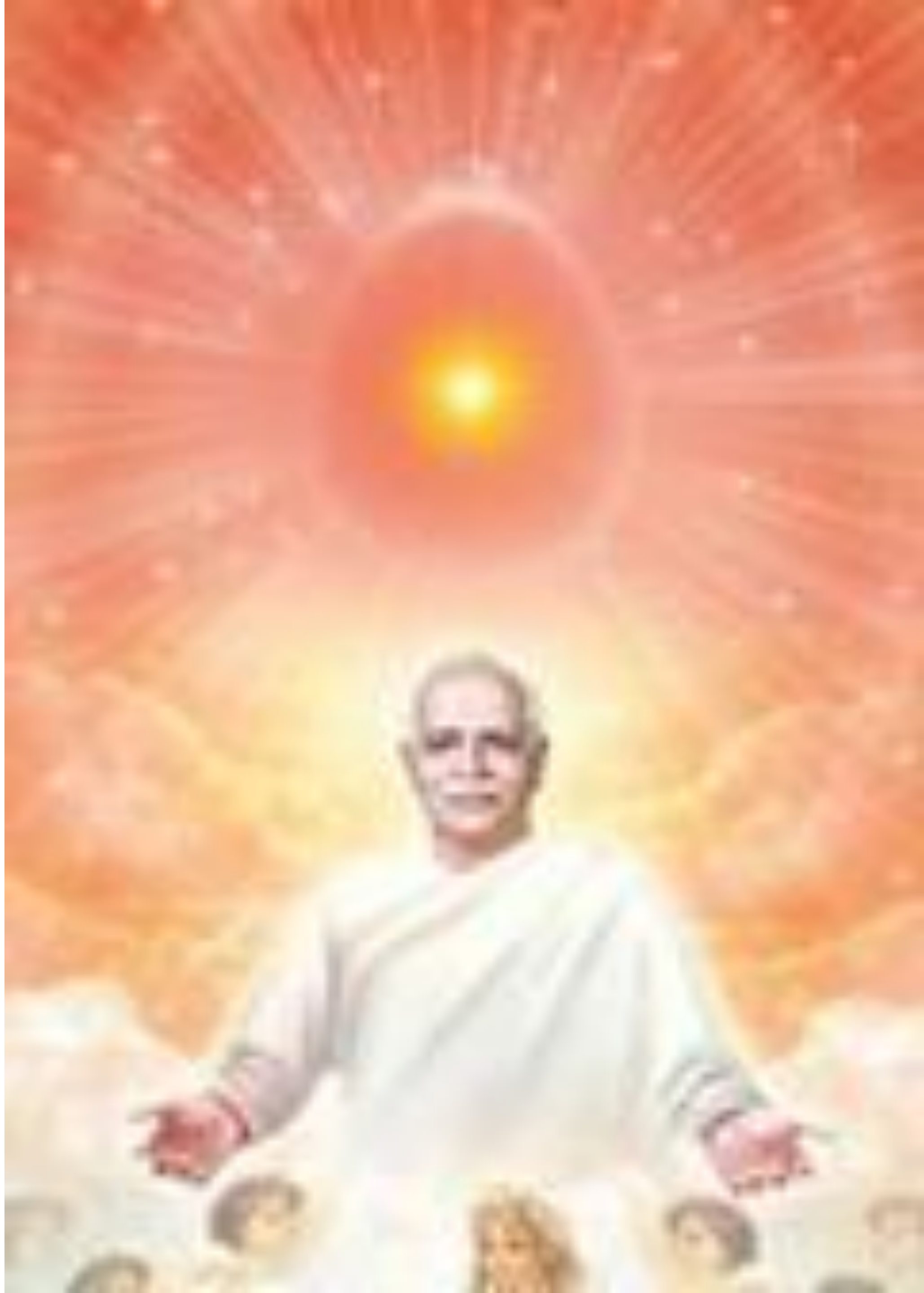

✓अब तुम बच्चों को बाप मिला है, कहते हैं इस दुनिया में तुमको रहना नहीं है । यह छी-छी दुनिया है । अब तो योगबल से अपना श्रृंगार करना है । वहाँ तो बच्चे भी योगबल से होते हैं । विकार की बात ही वहाँ नहीं होती । योगबल से तुम सारे विश्व को पावन बनाते हो तो बाकी क्या बड़ी बात है । इन बातों को भी वही समझेंगे जो अपने घराने के होंगे । बाकी तो सबको शान्तिधाम में जाना है, वह तो है घर । परन्तु मनुष्य उसको घर भी नहीं समझते हैं ।

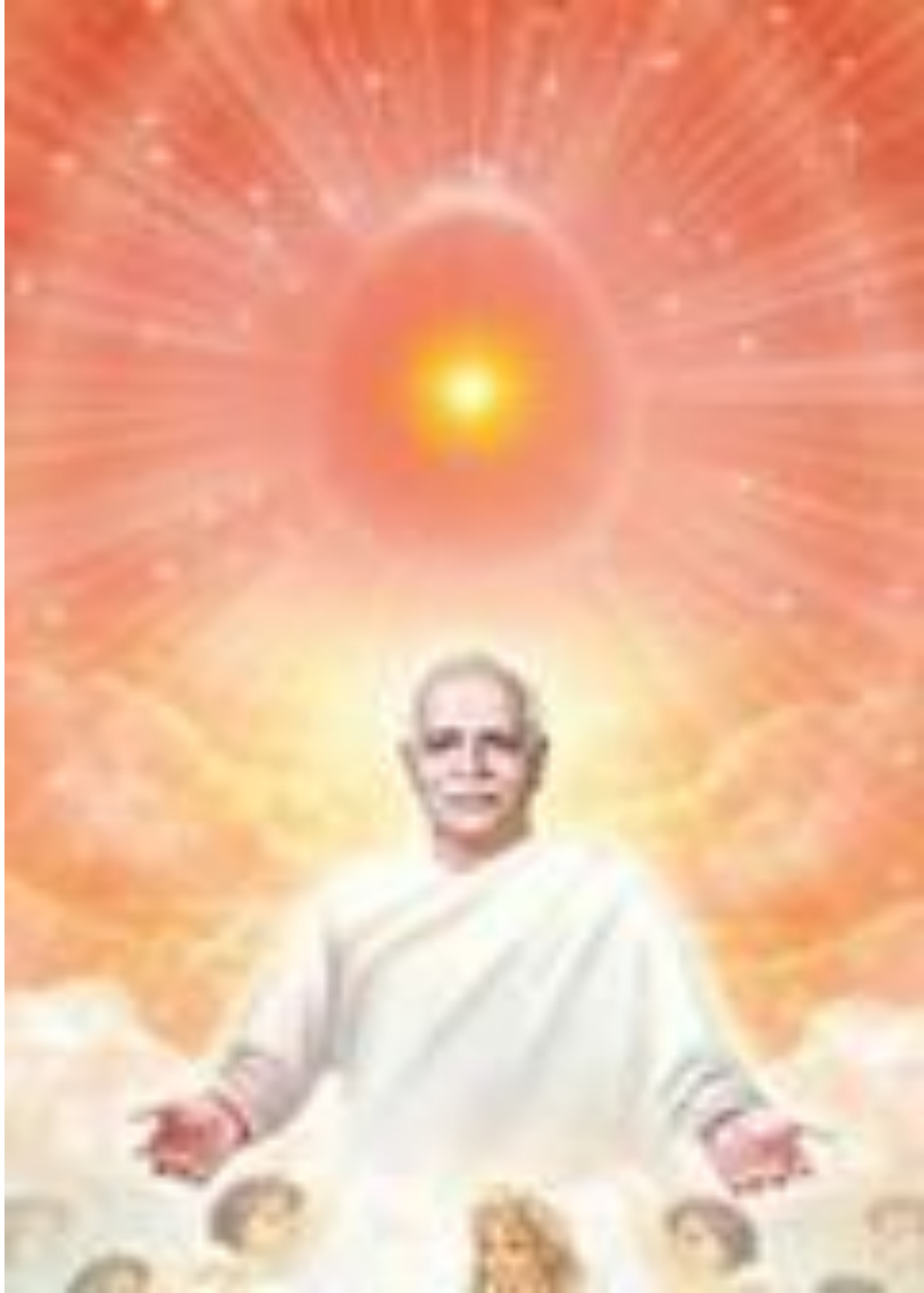

✓हम तो अब अमरलोक में जाते हैं । आधाकल्प तो झूठी कथायें सुनी हैं । अब तो बहुत खुशी होनी चाहिए- अमरलोक में हम जायेंगे । इस मृत्युलोक का अभी अन्त है । हम खुशी का खजाना यहाँ से भरकर जाते हैं । तो इस कमाई करने में, झोली भरने में अच्छी रीति लग जाना चाहिए । टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए ।

✓तुम सब अपना राज्य स्थापन कर रहे हो । तो सर्विस में बिजी रहना चाहिए ।

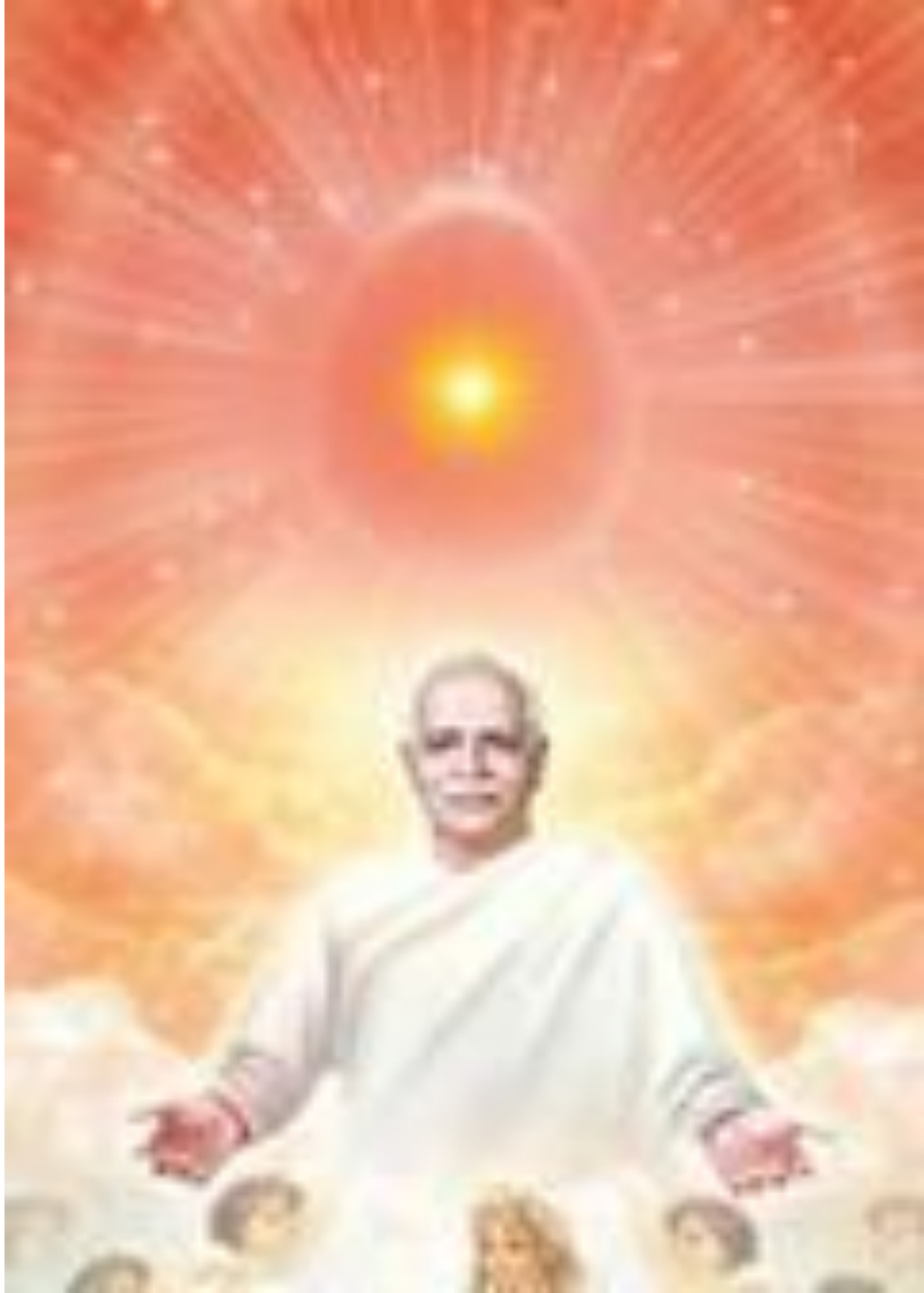

✓बाप सिखलाते हैं, रहमदिल कैसे बनो? अंधों की लाठी बनो । यह सवाल तो कोई सन्यासी, विद्वान आदि पूछ नहीं सकते । उनको क्या पता स्वर्ग कहाँ, नर्क कहाँ होता है । भल कितने भी बड़े-बड़े पोजीशन वाले हैं, कमान्डर चीफ एरोप्लेन्स के हैं, कमान्डर चीफ लड़ाई के हैं, स्टीमर के हैं, लेकिन तुम्हारे आगे यह सब क्या हैं! तुम जानते हो बाकी थोड़ा समय है । स्वर्ग का तो कोई को पता ही नहीं ।

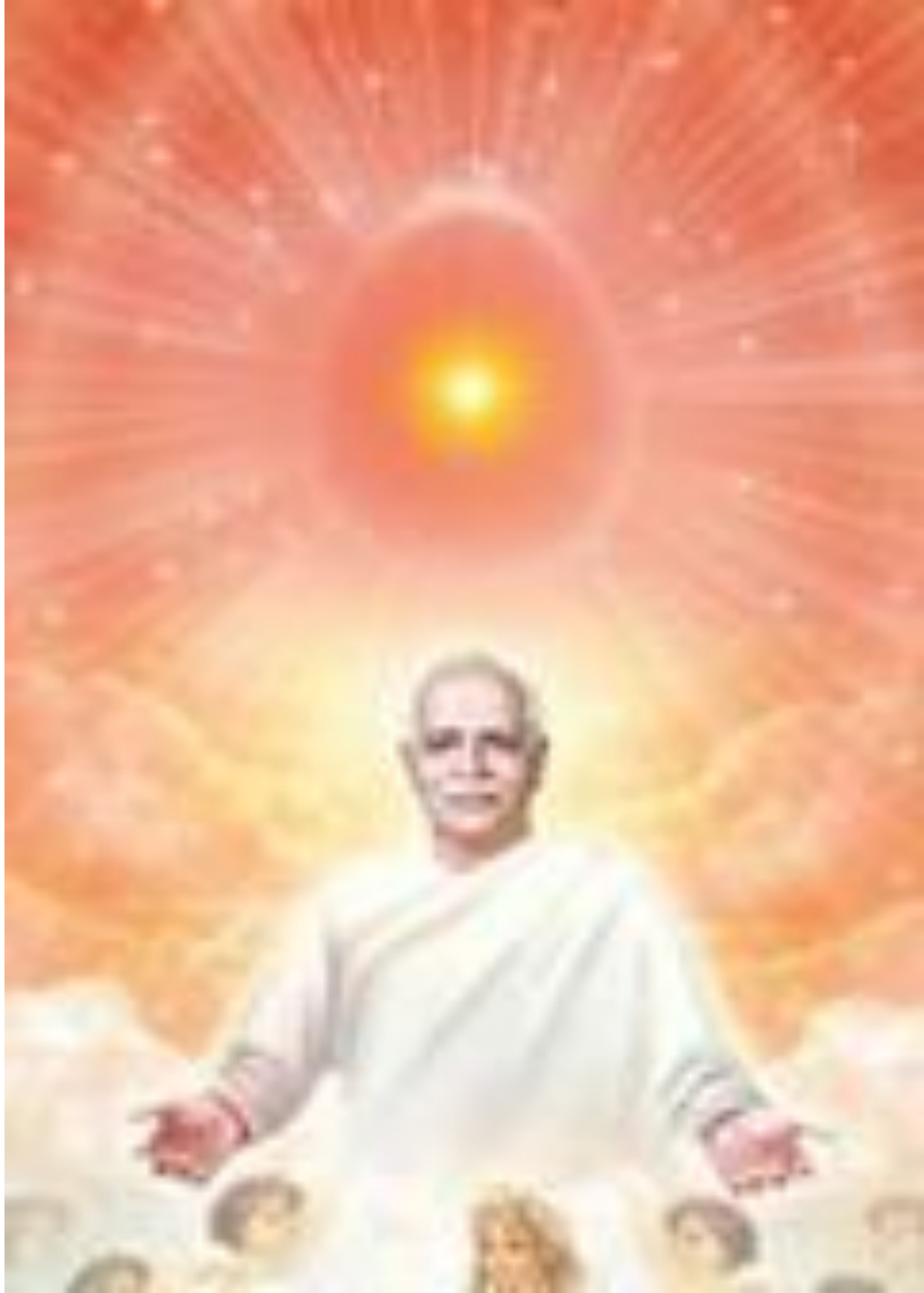

✓वरदान: सदा केयरफुल रह माया के रॉयल रूप की छाया से सेफ रहने वाले मायाप्रूफ भव !
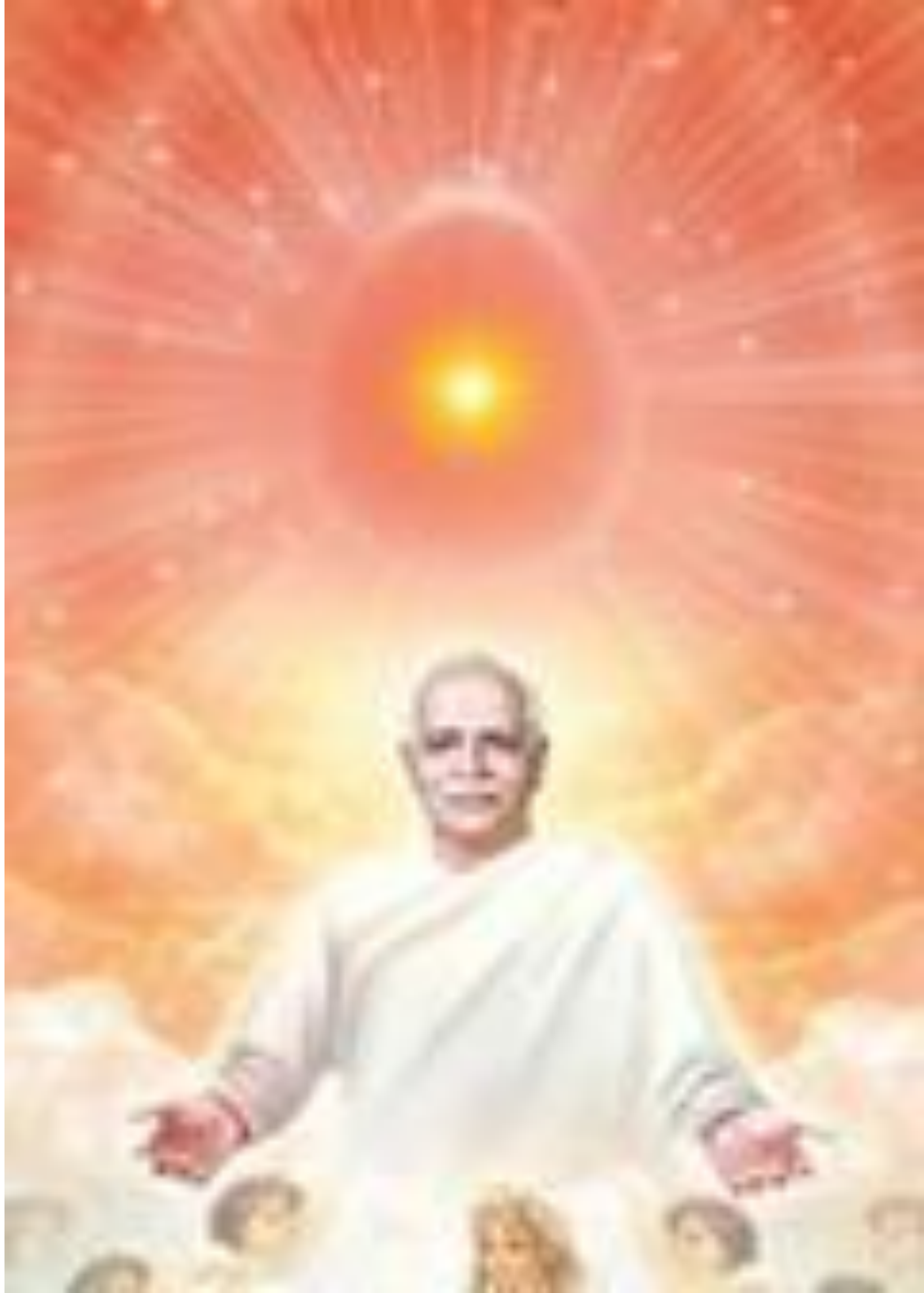
✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।